अब दो हजार का नोट बनने लगा काला धन

कानपुर,16 अप्रैल (ए)। काला धन रोकने के लिए नोटबंदी के बाद बाजार में पेश किए गए 2000 रुपए के गुलाबी नोट ही अब काले धन में तब्दील होने लगे हैं। बैंक शाखाओं और करेंसी चेस्ट में आने वाली रकम में 2000 रुपए के नोटों की लगातार गिरती संख्या इसका राजफाश कर रही है। मार्च 2018 में बैंकों की करेंसी चेस्ट की बैलेंस शीट की रिपोर्ट के अनुसार बैंकों में 2000 रुपए के नोटों की संख्या कुल रकम का औसतन दस फीसदी ही रह गई है। यह स्थिति तब है जब भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार कुल जारी करेंसी में 2000 रुपए के नोटों का हिस्सा 50 फीसदी से अधिक है। एक बैंक के क्षेत्रीय अधिकारी का कहना है कि आरबीआई से जुलाई 2017 के बाद दो हजार रुपए की करेंसी नहीं मिली। बैंक में जमा के रूप में वापस आ रही रकम में भी 2000 रुपए के नोट कम हैं। इसका अर्थ यही है कि लोग नोट दबा रहे हैं।

एक कॉल या ईमेल पर मुफ्त में मिलेगी गीता

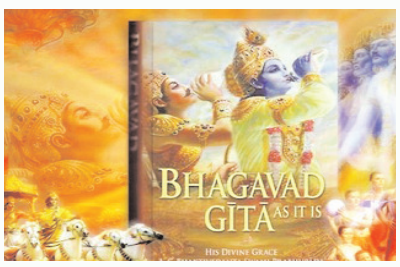

लखनऊ, 16 अप्रैल (ए)। जीवन में मां का क्या मोल होता है, यह कोई सपूत ही समझ सकता है। रामजी की माता का वर्षों पहले निधन हो गया। इस दौरान वह अवसाद में चले गए। जीवन के रहस्यों को समझने के लिए उन्होंने तीन बार गीता पढ़ी तो मन-मस्तिष्क पर गहरा असर पड़ा। उनका नीरस जीवन अब सरस दिखने लगा। इसके बाद उन्होंने लोगों को मुफ्त में गीता पढ़ाने को अपना ध्येय बना लिया। अब वह एक कॉल, एसएमएस या ई-मेल पर मुफ्त में गीता लोगों के पते पर पहुंचा रहे हैं। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार निवासी नंद किशोर रामजी के नाम से जाने जाते हैं। यमुनापार में उनकी फोटो कॉपी की दुकान है। इसी की आय से वह जीविकोपार्जन करते हैं। अपने संपर्क सूत्रों के माध्यम से वह देश में हर जगह लोगों को गीता पढ़ने के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रहे हैं। काम-काज से वक्त निकाल कर वह धर्म ग्रंथों का अध्ययन करते हैं। रामजी कहते हैं कि भगवान की प्रेरणा से उन्हें गीता पढ़ने का अवसर मिला। इस ग्रंथ के अध्ययन से जीवन का उद्देश्य समझ में आया। खुद धर्म-कर्म करने के साथ ही दूसरों को भी इसके लिए निशुल्क गीता भेज कर प्रेरित कर रहे हैं। वह गत दस वर्षों से इस मिशन में लगे हैं। अब तक 50 हजार लोगों को गीता मुफ्त में भेज चुके हैं।

अध्यादेश लाकर एसटी-एससी एक्ट को अक्षुण्ण रखेगी सरकार

पटना, 16 अप्रैल (ए)। केंद्रीय मंत्री व लोजपा प्रमुख रामविलास पासवान ने कहा है कि केंद्र सरकार एससी-एसटी एक्ट को अक्षुण्ण रखने को प्रतिबद्ध है। सरकार आरक्षण खत्म नहीं होने देगी। अगर जरूरत पड़ी तो केंद्र सरकार कैबिनेट की बैठक बुलाकर अध्यादेश लाएगी। उन्होंने रविवार को पत्रकारों से कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दलितों के लिए एक ऐतिहासिक घोषणा की है। मुख्यमंत्री की घोषणा की खुशी में लोजपा 20 अप्रैल को हर पंचायत में दलित एकता दिवस मनाएगी और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देगी। उन्होंने कहा कि दलित सेना के राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने छात्रावासों में रहने वाले एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को सस्ती दर पर अनाज उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसके आलोक में केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्रालय ने प्रत्येक छात्र को 15 किलोग्राम अनाज देने का फैसला किया है। सरकार से छात्रावासों की सूची मिलने के एक सप्ताह के अंदर अनाज आवंटित कर दिया जाएगा। पासवान ने कहा कि उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहने के दौरान मायावती ने एससी-एसटी एक्ट के खिलाफ काम किया था। आज दलित प्रेमी होने का राग अलाप रही हैं। दलित सेना उत्तर प्रदेश में मायावती के दलित विरोधी चेहरे को उजागर करेगी।

परमीश वर्मा गोलीकांड का हिमाचल कनैक्शन, बद्दी से एक आरोपी गिरफ्तार

मानपुरा,16 अप्रैल (ए)। पंजाबी सिंगर परमीश वर्मा गोली कांड के तार हिमाचल प्रदेश के बद्दी से जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में पंजाब पुलिस ने शनिवार देर रात बद्दी में दस्तक दी। पंजाब पुलिस ने खुफिया आप्रेशन कर बद्दी के गुल्लरवाला से सुबह करीब 4 बजे हरविंद्र सिंह उर्फ हैप्पी को गिरफ्तार किया है। मामला संवेदनशील होने के चलते पुलिस आप्रेशन से पहले बद्दी पुलिस तक को जानकारी नहीं दी गई थी। हैप्पी की गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस ने बद्दी पुलिस को उसकी गिरफ्तारी की जानकारी दी और उसे साथ ले गई। हैप्पी के तार परमीश पर गोली चलाने की फेसबुक पर जिम्मेदारी लेने वाले गैंगस्टर दिलप्रीत से जुड़े हैं। शुक्रवार रात को गोलीकांड के कुछ समय बाद ही दिलप्रीत ने अपने फेसबुक अकाऊंट पर पोस्ट डालकर परमीश वर्मा पर गोली चलाने की बात कबूली थी और हमले की जिम्मेदारी ली थी।

कठुआ मामला : पीड़ित परिवार ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

दूसरे राज्य में सुनवाई की लगाई गुहार

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (ए)। देश को झकझोर कर देने वाले कठुआ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या मामले में पीड़ित परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पीड़ित के परिवार ने इस मामले को राज्य से बाहर ट्रांसफर करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है, आज दोपहर 2 बजे इस पर सुनवाई होगी।

बता दें कि पीड़ित परिवार इस मामले की सुनवाई चंडीगढ़ ट्रांसफर करवाना चाहता है। सुरक्षा कारणों के चलते वे इसकी मांग कर रहे हैं। वहीं, जम्मू कश्मीर में इस मामले की सुनवाई कर रही जिला अदालत ने सभी आरोपियों को चार्जशीट की कॉपी देने का आदेश दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल को होगी।

बता दें कि पीड़ित पक्ष की वकील दीपिका सिंह राजावत का कहना है कि इस मामले में सियासी दखलअंदाजी हो सकती है। साथ ही उन्होंने आशंका जताई है कि राज्य में मामले की सुनवाई से पीड़िता को न्याय नहीं मिल सकता। वहीं, बीते वक्त में आरोपियों के पक्ष की ओर से प्रदर्शन को लेकर भी पीड़ित पक्ष बेहद चिंतित है, इसलिए वे इस मामले की सुनवाई किसी दूसरे राज्य में करने की मांग कर रहे हैं। पीड़ित पक्ष की वकील दीपिका ने कहा, आरोपियों को बचाने वाले लोग मुझे लगातार धमकियां दे रहे हैं। मेरी जान को खतरा है, मेरे साथ भी दुष्कर्म हो सकता है।

आरोपी सांजी राम बोला- सीबीआई जांच हो, दोषी पाया गया तो दी जाए फांसी

कठुआ, 16 अप्रैल (ए)। कठुआ गैंगरेप केस और हत्या मामले में कथित षड्यंत्रकारी सांजी राम ने कहा है कि मामले की सी.बी.आई. जांच हो, अगर वह दोषी पाया जाता है तो उसे सामूहिक रूप से फांसी की सजा दे दी जाए। उसने राष्ट्रीय मीडिया की आलोचना की और कहा कि पत्रकार बिना जांच किए फैसले दे रहे हैं। वहीं कठुआ जिले में एक पेड़ के नीचे एकत्रित हुए सांजी के परिवार के सदस्य 'किसी विश्वसनीय एजेंसी (सी.बी.आई.) द्वारा निष्पक्ष जांच' की मांग कर रहे हैं। पिछले 15 दिनों से सी.बी.आई. जांच की मांग को लेकर अनशन कर रहीं 16 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन सरकार निष्ठुर है और निष्पक्ष एजेंसी से जांच चाहती ही नहीं है। कैसे एक पिता बेटे को बलात्कार के लिए कहेगा सांजी की छोटी बहन ने भी अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि कैसे एक पिता अपने बेटे को एक नाबालिग लड़की का बलात्कार करने के लिए कहेगा, जैसा कि आरोपपत्र में दावा किया जा रहा है। उसने कहा कि इस मामले का राजनीतिकरण किया जा रहा है और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में उनकी आवाज दबाई जा रही है।

कैंप में आग लगने के बाद रोहिंग्या शरणार्थियों की स्थानीय लोगों ने की मदद

नई दिल्ली,16 अप्रैल (ए)। दिल्ली के कालिंदी कुंज मेट्रो स्टेशन के निकट रोहिंग्या शिविर में आग लग जाने के बाद शरणार्थियों को पास के मैदान में स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें यहां गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और स्थानीय लोगों द्वार मदद दी जा रही है। एक रोहिंग्या ने न्यूज एजेंसी को बताया कि इस आग में हमारा सब कुछ जल गया है। यहां स्थानीय लोगों ने हमारी काफी मदद की। हमें कपड़े और खाने के लिए खाना दिया। पुलिस ने भी हमारी सहायता की।

शरणार्थियों को रहने के लिए अस्थायी तम्बू और मच्छरदानी प्रदान की गई, जब तक उनके रहने के लिए शिविर पुनर्निर्मित नहीं होते। एनजीओ और स्थानीय निवासियों ने रोहिंग्या शरणार्थियों को कपड़े, खाद्य पदार्थ और अन्य आवश्यक वस्तुओं को उपलब्ध कराने में मदद की।दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में रोहिंग्या मुसलमानों के कैंप में रविवार को अचानक भीषण आग लगने से सबकुछ खाक हो गया।

सूचना मिलते ही दमकल की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, आग लगने से लगभग 230 रोहिंग्या प्रभावित हुए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, आग लगने से लगभग 230 रोहिंग्या प्रभावित हुए हैं। जानकारी के मुताबिक यहां करीब 47 परिवार रह रहे थे और सबसे पहले एक टॉइलट से भड़की आग ने तेजी से पूरे कैंप को अपनी चपेट में ले लिया।

स्वाति के अनशन में पहुंचे केजरीवाल, कहा- मैं भी अपनी बेटी की सुरक्षा को लेकर चिंतित

उन्नाव, 16 अप्रैल (ए)। उन्नाव और कठुआ में हुई रेप की घटनाओं से देश भर में गुस्सा है। बच्चियों से दुष्कर्म के दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग को लेकर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल का अनिश्चितकालीन अनशन तीसरे दिन भी जारी है। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी स्वाति का समर्थन देने रविवार को समता स्थल पहुंचे।

अनशन में शामिल होने पर सीएम ने कहा कि मैं एक बाप हूं और यहां अपनी बेटी की सुरक्षा के लिए आया हूं। दिल्ली की महिलाओं की सुरक्षा के लिए आया हूं। उन्होंने उन्नाव व कठुआ की घटनाओं को शर्मनाक बताते हुये कहा कि एक ऐसा सिस्टम बनना चाहिए कि बलात्कार करने से लोग डरें। उन्होंने मोदी सरकार पर हमले बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और वहां की पुलिस आरोपी विधायक को बचाने लगी है। केजरीवाल ने कहा कि ये मुद्दा स्वाति जी का नहीं बल्कि देश का मुद्दा है। यहां आए लोग स्वाति पर अहसान करने नहीं आए बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए आए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले विधानसभा के सत्र में स्वाती मालीवाल की मांगों को पूरा करने के लिये आईपीसी व सीपीआरसी जायेगा।

मंगल और शुक्र मिशनों पर भारत और फ्रांस मिलकर करेंगे कार्य

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (ए)। भारत और फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसियां मंगल (मार्स) और शुक्र (वीनस) मिशनों पर मिलकर कार्य करने पर सहमत हैं। सहयोग के बिंदुओं पर वार्ता दोनों देशों के जारी संयुक्त बयान के एक महीने बाद हो रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और फ्रेंच नेशनल स्पेस एजेंसी सीएनईएस साथ मिलकर चंद्रमा, मंगल और अन्य ग्रहों के लिए कार्य करने पर सहमत हैं। इसरो फिलहाल मंगल ग्रह के मिशन पर ध्यान दे रहा है। लेकिन भविष्य में उसकी योजना शुक्र ग्रह के बारे में और जानने की है। दोनों देश इन मिशनों पर साथ काम करेंगे। भारत चंद्रमा के लिए चंद्रयान-1 और मंगल ग्रह के लिए हासिल कर चुका है।

अयोध्या में राम मंदिर नहीं बना तो हमारी संस्कृति की जड़ें कट जाएंगी : मोहन भागवत

मुंबई, 16 अप्रैल (ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि यदि अयोध्या में राम मंदिर फिर से नहीं बनाया गया' तो 'हमारी संस्कृति की जड़ें' कट जाएंगी। भागवत ने पालघर जिले के दहानू में विराट ड्क्षहदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

आरएसएस प्रमुख ने कहा ,'भारत में मुस्लिम समुदाय ने राम मंदिर नहीं तोड़ा। भारतीय नागरिक ऐसी चीजें नहीं कर सकते। भारतीयों का मनोबल तोडने के लिए विदेशी ताकतों ने मंदिरों को तोड़ा।' उन्होंने कहा , 'लेकिन आज हम आजाद हैं। हमें उसे फिर से बनाने का अधिकार है जिसे नष्ट किया गया था , क्योंकि वे सिर्फ मंदिर नहीं थे बल्कि हमारी पहचान के प्रतीक थे।' भागवत ने कहा , 'यदि (अयोध्या में) राम मंदिर फिर से नहीं बनाया गया तो हमारी संस्कृति की जड़ें कट जाएंगी। इसमें कोई शक नहीं कि मंदिर वहीं बनाया जाएगा जहां वह पहले था।' राम जन्मभूमि - बाबरी मस्जिद विवाद उच्चतम न्यायालय में है। आरएसएस प्रमुख ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन्हें देश के कई हिस्सों में हुई हालिया जातिगत हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया। भागवत ने कहा , 'जिनकी दुकानें बंद हो गईं (जो चुनाव में हार गए) वे अब लोगों को जाति के मुद्दों पर लडने के लिए उकसा रहे हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी अब नहीं लेगी दवा, करेंगी आराम

वाशिंगटन, 16 अप्रैल (ए)। अमेरिका की प्रथम महिला 92 वर्षीय बारबरा बुश का स्वास्थ्य खराब होता जा रहा है और वे अधिक मेडिकल केयर नहीं चाहतीं। पूर्व राष्ट्रपति जार्ज एच डब्ल्यू बुश के कार्यालय से यह जानकारी दी गयी है।परिवार के करीबी एक सूत्र ने बताया बारबरा बुश को फेफड़े की बीमारी है। वे क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से ग्रस्त हैं साथ ही उन्हें हार्ट की भी बीमारी है। हाल में वे कई बार अस्पताल में भर्ती हुई। अब उन्होंने और इलाज कराने की जगह आराम से रहने का निर्णय लिया है। ह्यूस्ट अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद 2017 में सुपर बाउल में बारबरा और जार्ज एच डब्ल्यू बुश का उत्साह पूर्ण स्वागत हुआ। बारबरा बुश को ब्रोंकाइटिस था। अक्टूबर

में तूफान राहत के लिए फंड इकट्ठा करने के लिए उन्होंने टेक्सास एएंडएम यूनिवर्सिटी के कंसर्ट में हिस्सा लिया। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, जो उन्हें जानता है उसके लिए यह हैरत की बात नहीं कि ऐसी बीमार होने के बावजूद बारबरा बुश आत्मविश्वास और हिम्मत से भरी हुई हैं और अब भी उन्हें अपनी नहीं बलकि दूसरों की चिंता है। उनके पास उनका परिवार है जिसे वे प्यार करती हैं। बुश परिवार के लिए समर्थन और प्रार्थनाओं से भरे संदेश का दौर शुरू हो गया है। अल्पसंख्यक नेता नैंसी पेलोसी ने ट्वीट किया कि बुश अपने दोस्तों और परिवार के लिए तो प्रेरणा है ।

ऑस्ट्रेलिया में 20 फीसदी बच्चे भोजन से वंचित, कागज खाने को मजबूर

केनबरा, 16 अप्रैल (ए)। आस्ट्रेलिया में फूडबैंक द्वारा 1,000 माता-पिता पर किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि बीते 12 महीनों में 20 फीसदी से ज्यादा बच्चे भूखे रह रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, फूडबैंक के सर्वेक्षण अनुसार15 साल से कम उम्र के 22 फीसदी बच्चे ऐसे परिवार में रहते हैं, जो बीते 12 महीनों में कभी न कभी खाने से वंचित रहे। यह भी पाया गया कि स्कूल जा रहे पांच बच्चों में से एक बच्चा हफ्ते में एक बार बिना नाश्ता किए स्कूल जाता है और दस में से एक बच्चा कम से कम हफ्ते में एक बार पूरा दिन बिना खाए रहता है। फूडबैंक विक्टोरिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डावे मैकनामारा कहना है कि एक समाज के तौर यह हमारे लिए बहुत दुखद है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 207 अफ्रीकी प्रवासियों को इजराइल ने रिहा किया

यरुशलम, 16 अप्रैल (ए)। इजराइल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 207 अफ्रीकी प्रवासियों को जेल से रिहा कर दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैदियों के बारे में संरा की शरणार्थी मामलों की एजेंसी के साथ समझौते को पलट कर विवाद खड़ा कर दिया था। कई घंटों तक चले अभियान के बाद आव्रजन प्राधिकरण की प्रवक्ता ने एएफपी को कल बताया कि सभी कैदियों को रिहा कर दिया गया। इस्राइल में करीब 42,000 अफ्रीकी प्रवासी हैं।

फरवरी में अधिकारियों ने उनमें से 207 को खुली जेल से स्थानांतरित दिया था क्योंकि उन्होंने देश छोड़ने से इनकार कर दिया था। इजराइल की सुप्रीम कोर्ट ने 10 अप्रैल को सरकार को उस समझौते पर अंतिम फैसला लेने के लिए रविवार तक का वक्त दिया था जिसमें उसने कहा था कि वह कुछ प्रवासियों को किसी अन्य देश भेजने की दिशा में काम कर रही है। अदालत ने कहा था कि समझौता नहीं होने की स्थिति में सहारोनिम जेल में बंद कैदियों को रिहा किया जाना चाहिए।

यूगांडा ने शुक्रवार को कहा था कि 500 प्रवासियों को स्वीकार करने के इजराइल के प्रस्ताव पर वह विचार कर रहा है। इस महीने की शुरूआत में नेतन्याहू ने संरा की शरणार्थी मामलों की एजेंसी यूएनएचसीआर के साथ उस समझौते को निरस्त कर दिया था।

अफगानिस्तान में जांच चौकी पर आतंकी हमला, 11 की मौत

काबुल, 16 अप्रैल (ए)। अफगानिस्तान की जांच चौकी पर तालिबान के हमले में अफगान अर्द्धसैनिक बल के कम से कम 11 सैनिक मारे गये। उत्तरी सारी पुल प्रांत के गर्वनर के प्रवक्ता जाबी अमानी ने बताया कि शनिवार की शाम को हुये हमले में बल के दो अन्य सदस्य घायल हो गये। उन्होंने बताया कि एक स्थानीय कमांडर सहित तीन आतंकवादी मारे गये और चार अन्य घायल हो गये। जिन्हें निशाना बनाया गया वे सरकार समर्थित मिलिशिया 'लोकल अपराइजिंग फोर्स' के सदस्य थे। तत्काल किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन अमानी ने इलाके में मौजूद तालिबान पर आरोप लगाया है। प्रांतीय गर्वनर के प्रवक्ता आरिफ नूरी के मुताबिक, अफगानिस्तान में दूसरी जगह आतंकवादियों ने पूर्वी गजनी प्रांत में दो सुरक्षा जांच चौकियों पर हमला

किया और इसमें चार पुलिस कर्मी मारे गये और पांच अन्य घायल हो गये। उन्होंने बताया कि तालिबान ने जांच चौकियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और इसके बार सड़क किनारे बम लगा कर भेजे गये अतिरिक्त सुरक्षा बल को निशाना बनाया। प्रांत के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले तालिबान ने हमले की जिम्मेदारी ली और कहा है कि उसने हथियारों और गोलाबारूद पर कब्जा कर लिया। गुरुवार की रात को गजनी के एक अन्य हिस्से में तालिबान ने एक सरकारी परिसर पर हमला किया ।

सीमा पर भिड़े पाकिस्तान और अफगान सेना के जवान, 6 की मौत

काबुल, 16 अप्रैल (ए)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर रविवार को दोनों देशों के जवानों की आपस में भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी सेना सीमा पार कर पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में घुस गई थी। इस पर अफगान सेना ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। दोनों ओर से गोलीबारी में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई।

इस घटना से दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। खोस्त के कार्यवाहक पुलिस प्रमुख कर्नल अब्दुल हन्नान जरदान ने बताया कि कम से कम एक अफगान नागरिक और दो पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हुई है। दो पाकिस्तानियों के शव पाकिस्तान के जनजातीय इलाके के पास सीमा के अफगान इलाके की ओर मिले हैं। तीन अन्य नागरिक भी घायल हुए हैं। खोस्त के प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता तालिब मंगल ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि झड़प में दो अफगान नागरिक और चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के दो सैनिकों को अफगानिस्तान की जमीन पर हिरासत में लिया गया है। पाकिस्तान की सेना ने बताया कि उसके अर्धसैन्य बल फ्रंटियर कोर के जवान सीमा पर सामान्य निगरानी कर रहे थे तभी अफगानिस्तान की ओर से उन पर गोलियां दागी गईं। इनमें से दो की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पाक सेना ने यह नहीं बताया कि उसने क्या जवाबी कार्रवाई की। इसलिए है विवाद दोनों देशों को 2400 किलोमीटर लंबी डूरंड सीमा रेखा अलग करती है। इसे 1896 में तत्कालीन ब्रिटिश शासकों ने खींचा था। अफगानिस्तान इस अंतरराष्ट्रीय सीमा को मानने से इनकार करता है। यही वजह है कि पाकिस्तान द्वारा इस सीमा पर बनाए जा रहे बंकरों और चौकियों का वह लगातार विरोध करता रहता है। दोनों देशों के बीच तनाव का यह बड़ा कारण है। इसी विवाद की वजह से दोनों देश एक--दूसरे पर सीमावर्ती क्षेत्र में आतंकियों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगाते रहते हैं।